मध्य प्रदेश के शिक्षित बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार उपलब्ध करने सम्बन्धी योजना

2720. श्री गंगा चरण दीक्षित : क्या योजना मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या मध्य प्रदेश में शिक्षित बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार के अवसर प्रदान करने सम्बन्धी कोई योजना हाल ही में योजना आयोग ने मंजूर की है ; और

(ख) यदि हां, तो तत्सम्बन्धी मुख्य बातें क्या हैं और इस योजना को कब तक कार्यरूप दिया जाएगा ?

योजना मन्त्रालय में राज्य मन्त्री (श्री शंकर घोष) : (क) और (ख). अन्य राज्यों के समान ही मध्य प्रदेश राज्य में शिक्षित बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार के अवसर प्राथमिक रूप से विभिन्न क्षेत्रों के योजना कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के माध्यम से उपलब्ध किये जायेंगे । इसके अतिरिक्त, उस राज्य की 1976–77 की वार्षिक योजना के प्रस्तावों में भी शिक्षित बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिये कुछ स्कीमें सम्मिलित की गई हैं । इन स्कीमों का विवरण नीचे दिया गया है :—

(1) शिक्षित बेरोजगार व्यक्तियों से सम्बन्धित राज्य रोजगार कार्यक्रम (अन्य सामाजिक एवं सामुदायिक सेवाएं) :

इस कार्यक्रम का लक्ष्य शिक्षित बेरोजगार व्यक्तियों को स्व-रोजगार हेतु प्रशिक्षण और उद्योग तथा व्यापार स्थापित करने के लिये शेड आदि के निर्माण के माध्यम से रोजगार की व्यवस्था करना है ।

(2) ग्रामीण तथा लघु उद्योग क्षेत्र के अन्तर्गत शिक्षित बेरोजगार व्यक्तियों से सम्बन्धित स्कीमें :

मध्य प्रदेश राज्य सरकार ने शिक्षित बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ग्रामीण तथा लघु उद्योग क्षेत्र में कुछ स्कीमें सम्मिलित की हैं । इन स्कीमों की मुख्य बातें इस प्रकार हैं :—

(1) कारखानों में प्रशिक्षण कार्यक्रम :

इस स्कीम के अन्तर्गत तकनीकी योग्यता प्राप्त बेरोजगार व्यक्तियों को राज्य में तथा राज्य से बाहर स्थित कारखानों में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिये भेजा जाएगा, जिसका अन्तिम उद्देश्य यह है कि उनको इतनी जानकारी प्राप्त हो जाये कि वे अपनी निजी औद्योगिक एकक स्थापित कर सकें । 1976–77 में इस स्कीम के लिए 0.60 लाख रुपये के परिव्यय का प्रस्ताव किया गया था ।

(2) किराया-खरीद के आधार पर मशीनों की पूर्ति :

इस स्कीम के अन्तर्गत मध्य प्रदेश लघु उद्योग निगम लिमिटेड 30 वर्ष की आयु से कम के शिक्षित बेरोजगार व्यक्तियों को किराया-खरीद के आधार पर मशीनें देगा । बताया गया है कि निगम मशीनों के मूल्य पर 2 प्रतिशत की दर से नाममात्र का सेवा शुल्क और साढ़े छः प्रतिशत वार्षिक की दर से ब्याज वसूल करेगा । 1976–77 में इस स्कीम के लिए 4.0[illegible] लाख रुपये के परिव्यय का प्रस्ताव किया गया था ।

(3) उद्योगों को राज्य सहायता अधिनियम के अन्तर्गत शिक्षित बेरोजगार व्यक्तियों को ऋण :

इस स्कीम के अन्तर्गत मुख्य रूप से शिक्षित बेरोजगार व्यक्तियों को उद्योग स्थापित करने के लिये 10,000 रुपये तक के ऋण देने का प्रस्ताव है। 1976–77 में इस स्कीम के लिये 8.00 लाख रुपये के परिव्यय का प्रस्ताव किया गया था।

(4) शिक्षित बेरोजगार व्यक्तियों से सम्बन्धित स्कीमों के लिए निरीक्षण कर्मचारी :

इस स्कीम के अन्तर्गत एक परामर्शदात्री कार्यालय स्थापित किया जाएगा जिसमें तकनीकी कर्मचारी भी होंगे। 1976–77 में इस स्कीम के लिये 1 लाख रुपये के परिव्यय का प्रस्ताव किया गया था।

(5) उपांत-धन स्कीम :

इस स्कीम के अन्तर्गत उद्यमियों को उपांत-धन राशि उपलब्ध की जाएगी ताकि वे अपने हो उद्यम स्थापित करने के लिये संस्थागत कर्ज प्राप्त कर सकें। 1976–77 में इस स्कीम के लिये 7 लाख रुपये के परिव्यय का प्रस्ताव किया गया था।

इन सभी स्कीमों का कार्यान्वयन 1976-77 में शुरू हो जाने की आशा है।

Pending letters of intent from Tamil Nadu

2731\. SHRIMATI PARVATHI KRISHNAN: Will the Minister of INDUSTRY AND CIVIL SUPPLIES be pleased to state:

(a) number of letters of intent lying with Centre from Tamil Nadu,

(b) whether Government have decided to set up new industries in Tamil Nadu during the Fifth Five Year Plan period, and

(c) if so the facts thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY AND CIVIL SUPPLIES (SHRI B P MAURYA) (a) A total number of 98 letters of intent and 60 industrial licences were issued during the years 1974 and 1975 for setting up of new undertakings in Tamil Nadu

(b) and (c) The names of Central Industrial and mineral projects to be undertaken during the Fifth Five Year Plan in various States including Tamil Nadu along with their locations and outlays (to the extent decisions have been taken) are indicated at pages 151 to 155 (Vol II) of the Draft Fifth Plan Document.

उधमपुर में हवाई अड्डा

2732\. श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री फूल चन्द वर्मा :

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या वायुसेना द्वारा उधमपुर (जम्मू और कश्मीर) में एक बहुत बड़े हवाई अड्डे का निर्माण किया गया है और 1 मार्च 1976 से इसका प्रयोग प्रारम्भ हो गया है, और

(ख) क्या उक्त हवाई अड्डे का निर्माण निर्धारित अवधि में पूरा कर लिया गया था और यदि नहीं तो उसके क्या कारण हैं?

रक्षा मन्त्री (श्री बंसी लाल) : (क) जी हां और इसका 5 अगस्त, 1975 से प्रयोग हो रहा है।